



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से, 30 तारीख को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 31 तारीख को झारखंड में; और 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 29 और 30 अगस्त 2026 को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश हो सकती है।

(iii) अगले एक हफ्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 29 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा और बिहार में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, तथा झारखंड में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से, उसी इलाके में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके और मज़बूत होने और अगले 48 घंटों के दौरान उत्तरी ओडिशा-गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ कल उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना कम दबाव का क्षेत्र अब कमज़ोर पड़ गया है। हालाँकि, इससे जुड़ा साइक्लोनिक सर्कुलेशन अब निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना हुआ है।
- ❖ वेस्टर्न डिस्टर्बेंस अब निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे उत्तरी पंजाब के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में दिखाई दे रहा है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 29-30 अगस्त और 2-4 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद में; और 29-30 अगस्त व 4 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में भी कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।
- ❖ 31 अगस्त-1 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद में; 31 अगस्त-3 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 29 अगस्त-4 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके में या हर जगह बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-4 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी बड़े इलाके में या हर जगह बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 29-30 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 29 अगस्त-4 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त-2 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 31 अगस्त-3 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 30 अगस्त और 2-4 सितंबर को उत्तराखंड में; 2-4 सितंबर के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 30 अगस्त-4 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 29 अगस्त और 31 अगस्त-1 सितंबर को उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

मध्य भारत:

- ❖ 29 अगस्त से 4 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 1-2 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 30 अगस्त से 2 सितंबर के बीच विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29-31 अगस्त और 3-4 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; 29 अगस्त और 3-4 सितंबर को विदर्भ में; और 29 अगस्त से 4 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़ में काफी ज़्यादा या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त से 2 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त से 2 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 अगस्त और 3-4 सितंबर को; पूर्वी मध्य प्रदेश में 30 अगस्त से 1 सितंबर और 4 सितंबर को; विदर्भ में 29-30 अगस्त और 3-4 सितंबर को; छत्तीसगढ़ में 29 अगस्त और 2-4 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पूर्वी मध्य प्रदेश में 29 अगस्त और 2-3 सितंबर को; और छत्तीसगढ़ में 30 अगस्त से 1 सितंबर के बीच कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में; 30 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 अगस्त को बिहार में; और 29 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 30 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान बिहार में; और 3-4 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 29-31 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान झारखंड में; और 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान बिहार में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 अगस्त और 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 29-30 अगस्त और 1-2 सितंबर के दौरान झारखंड में; 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान बिहार में; और 29-30 अगस्त व 2-3 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 30 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 31 अगस्त को झारखंड में; और 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 29 और 30 अगस्त को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 29 अगस्त से 1 सितंबर और 3-4 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 2 सितंबर को; असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 4 सितंबर को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 29 अगस्त, 31 अगस्त और 3-4 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 29 अगस्त और 31 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29-30 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में 30 अगस्त को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, लक्षद्वीप, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में; 30 अगस्त से 1 सितंबर और 4 सितंबर को केरल और माहे में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त और 2-3 सितंबर को केरल और माहे में; 29 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 सितंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 29-30 अगस्त और 1 सितंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर; पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों में, जो दक्षिण-पश्चिम और उत्तर व पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे हैं, 3 सितंबर तक।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जो दक्षिण श्रीलंका तट से सटे हैं, और अंडमान सागर के ऊपर 3 सितंबर तक; पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बांग्लादेश के तटों के पास और उनसे दूर, तथा उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान। उत्तर आंध्र प्रदेश के पास, बांग्लादेश और म्यांमार के तटों के पास और उनसे दूर, तथा मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों के ऊपर 30 अगस्त को; म्यांमार तट के पास और उससे दूर, जो उत्तर-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे हैं, 1 सितंबर को।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

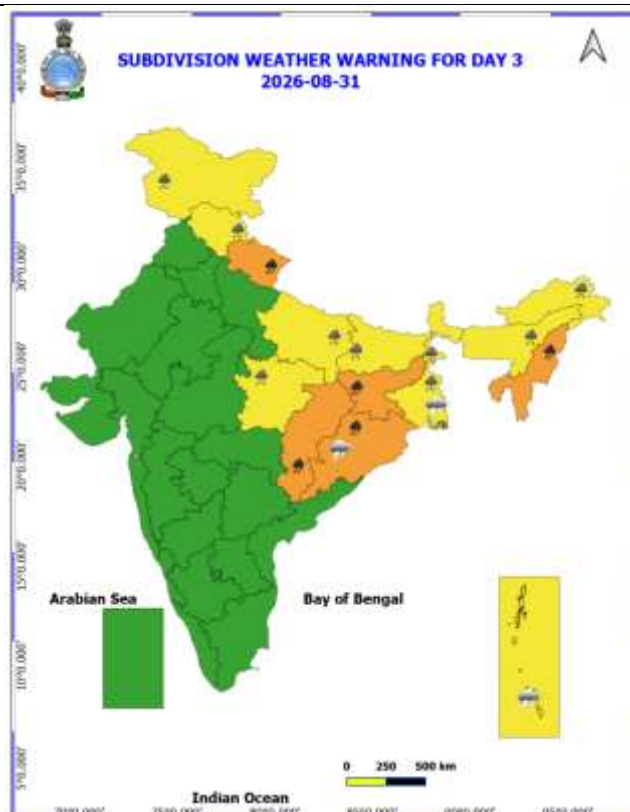
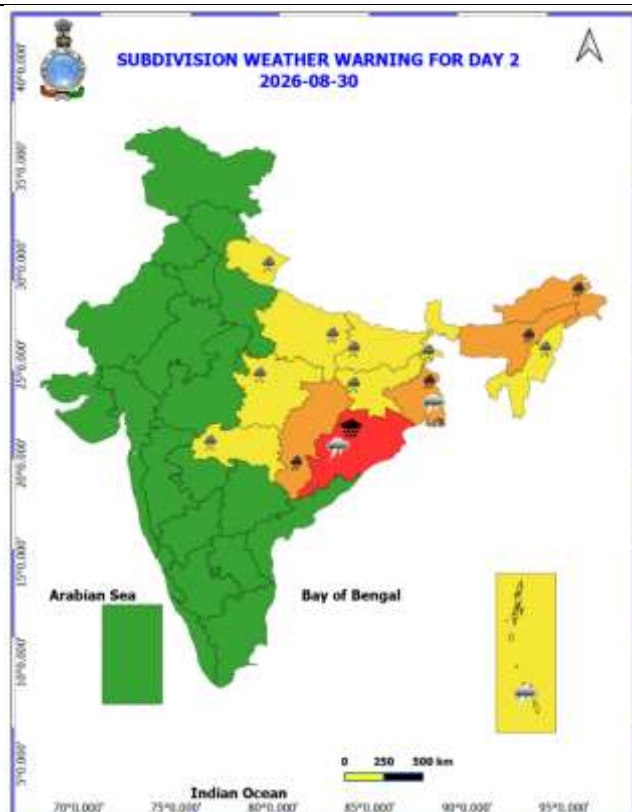
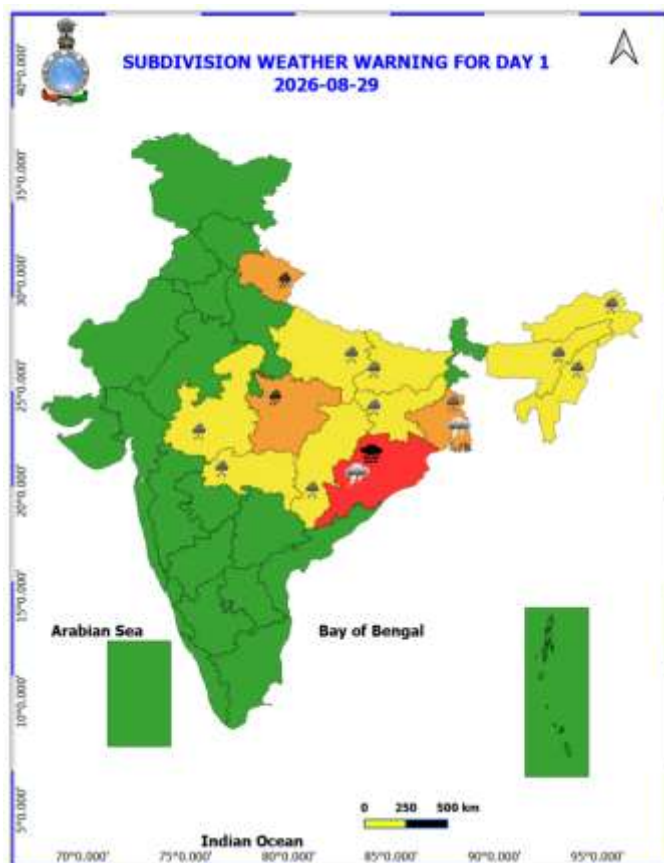
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

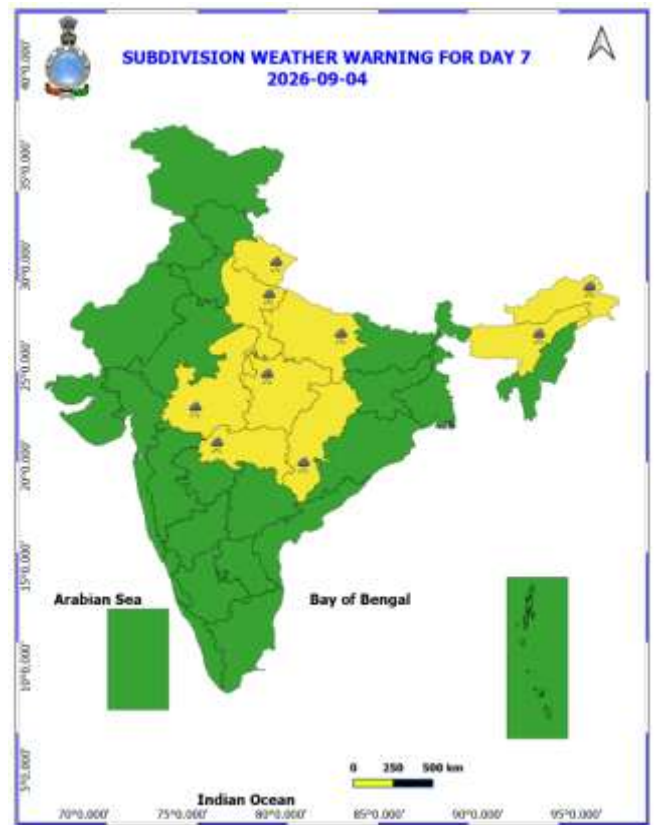
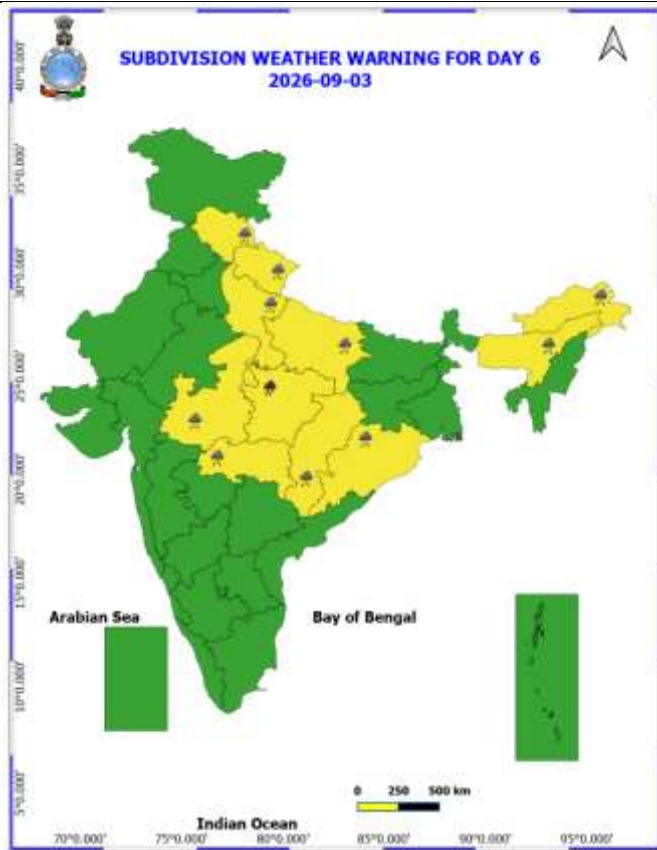
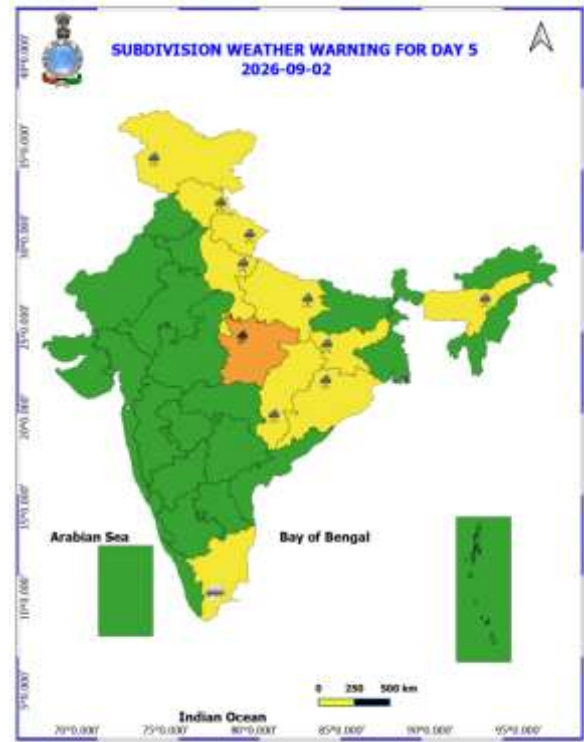
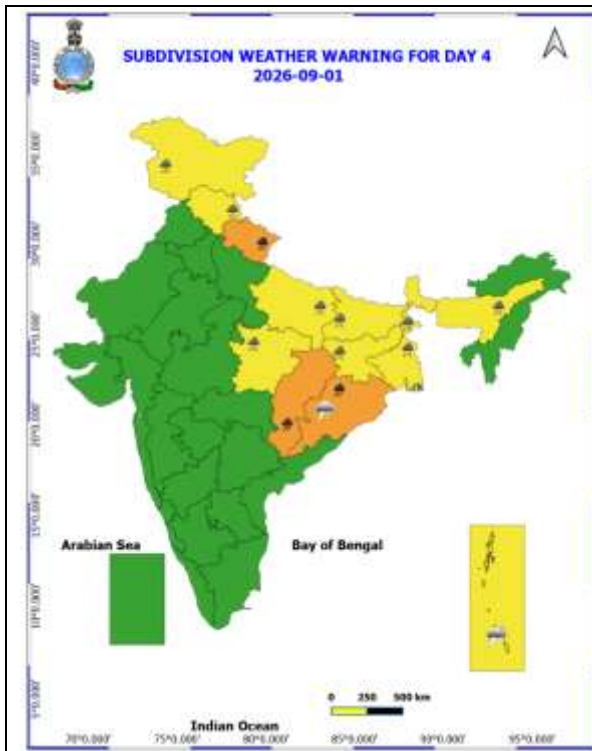
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: मयूरभंज 16
- ❖ जम्मू-कश्मीर: रियासी 14
- ❖ हरियाणा: कालका 14
- ❖ बिहार: गया 14
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बिरसिंगपुर (सतना) 12
- ❖ पूर्वी राजस्थान: बकानी (झालावाड़) 11
- ❖ मिज़ोरम: कोलासिब (AWS) 11
- ❖ उत्तराखंड: यमकेश्वर 10
- ❖ मध्य महाराष्ट्र : महाबलेश्वर (सतारा) 10
- ❖ पंजाब: माधोपुर 9
- ❖ असम: घरमुरा 9
- ❖ झारखंड: पश्चिमी सिंहभूम 9
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम: पुरुलिया 8, दोमोहनी 7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला 7
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: पिछोर (शिवपुरी) 7
- ❖ कोंकण: चिपलून (रत्नागिरी) 7
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: दिरांग (Aws) 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Aug	30- Aug	31- Aug	1- Sep	2- Sep	3- Sep	4- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	FWS	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 अगस्त से 01 सितम्बर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-35^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। दिल्ली के कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ इलाकों में सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ इलाकों में सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की रफ़्तार 22 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 32 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पश्चिम दिशा से चल रही थी। आज सुबह के समय इस इलाके में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

29.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-37^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और हवा की रफ़्तार 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा पश्चिम दिशा से चलेगी।

30.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

31.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

01.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली ज़मीनी हवा की रफ़्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 29 और 30 अगस्त को ओडिशा में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, सब्जियों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकाल दें; जल निकासी के रास्तों और आउटलेट को साफ रखें, और पानी भरे खेतों में बुवाई, खाद डालने और खेती-बाड़ी से जुड़े अन्य कामों को तब तक टाल दें जब तक मिट्टी काम करने लायक न हो जाए।
- ❖ मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी का उचित इंतजाम करें; सब्जियों की रोपाई टाल दें और फलों के छोटे पौधों को सहारा दें। गन्ने को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए लगातार और प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों में मक्का, अदरक, हल्दी और सब्जियों के खेतों में जल निकासी के रास्तों को साफ करें और कद्दू-वर्गीय फसलों, टमाटर और शिमला मिर्च को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ विदर्भ में, सोयाबीन, कपास, मक्का और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी का उचित इंतजाम रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। मिट्टी के काम करने लायक होने तक खाद डालने, पौधों की सुरक्षा और खेती-बाड़ी से जुड़े अन्य कामों को टाल दें और छोटी सब्जियों व अन्य नाजुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ उत्तराखंड में, जहां बारिश काफी हो रही है वहां धान में सिंचाई न करें और गन्ने व मक्के के खेतों में जल निकासी का उचित इंतजाम रखें। जल निकासी के रास्तों को साफ रखें और लंबी फसलों व सब्जियों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी का उचित इंतजाम करें और गीले मौसम में सिंचाई, खेती-बाड़ी से जुड़े अन्य कामों, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें। छोटे पौधों, सब्जियों और बागवानी वाली फसलों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, अतिरिक्त पानी निकालने के लिए धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और बागों में जल निकासी का उचित इंतजाम रखें। बालियां निकलने और फूल आने के समय मोटे अनाज (मिलेट) के खेतों में पानी जमा न होने दें और कीट व बीमारी के हमले के लिए फसलों की निगरानी करें।
- ❖ असम और मेघालय में, फसलों के खेतों में जल निकासी का उचित इंतजाम रखें और बारिश के दौरान खाद डालने व पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें। अरहर, मूंग और तिल की बुवाई तभी करें जब खेत की स्थिति सही हो और जूट की कटाई छोटी फलियों (पांड) की अवस्था में करें।
- ❖ नागालैंड में, धान के गीले खेतों में 3-5 सेमी पानी का स्तर बनाए रखें और मौसम ठीक होने पर मक्के की पकी हुई भुट्टों की कटाई करें।
- ❖ मणिपुर में, बारिश न होने के समय अरबी (कोलोकेसिया) और पके हुए अदरक की कटाई करें और अदरक के खेतों में जल निकासी का उचित इंतजाम सुनिश्चित करें।
- ❖ मिज़ोरम में, मक्का की कटाई के बाद उड़द, मूंग, सोयाबीन, तिल और मसूर की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। अदरक के खेतों में पानी की निकासी का इंतजाम करें और पानी जमा न होने दें ताकि सॉफ्ट-रॉट और राइज़ोम-रॉट की समस्या कम हो।
- ❖ त्रिपुरा में, 'औस' (Aus) धान में बालियां निकलने और बूटिंग (गांठ बनने) के समय मिट्टी में नमी बनाए रखें, साथ ही मूंगफली के निचले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए निकासी की व्यवस्था करें।
- ❖ झारखंड में, सभी फसलों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं। कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें और धान, मक्का और अरहर में कीटों और बीमारियों की निगरानी करें।
- ❖ बिहार में, खड़ी फसलों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और बहुत ज्यादा गीली ज़मीन पर खेती का काम न करें। रोपाई वाले धान में पानी का सही स्तर बनाए रखें, लेकिन लंबे समय तक पानी जमा न रहने दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, धान और सब्जियों के खेतों, बागों और नर्सरियों में पानी की निकासी के रास्ते साफ़ रखें। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं, कद्दू-वर्गीय फसलों (जैसे खीरा, लौकी, तोरई) के आस-पास पानी की निकासी बेहतर करें और गीले मौसम में नाइट्रोजन का इस्तेमाल न करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

30-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

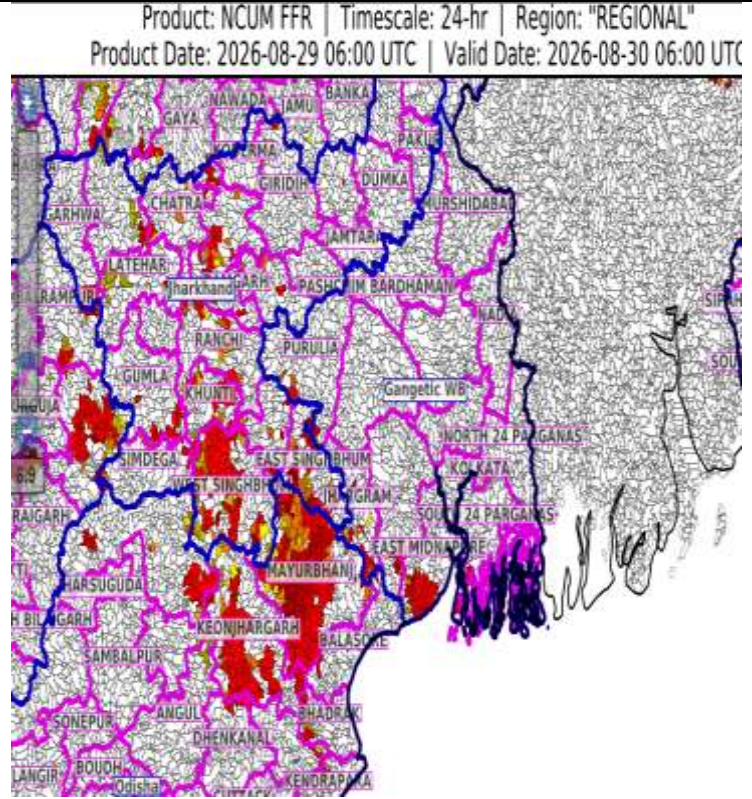
अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

ओडिशा - बालासोर, भद्रक, ढेंकनाल, क्योंझरगढ़, मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिले।

गंगा के मैदानी इलाके वाला पश्चिम बंगाल - पूर्वी मिदनापुर, झारग्राम, पुरुलिया और पश्चिमी मिदनापुर जिले।

झारखंड - पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

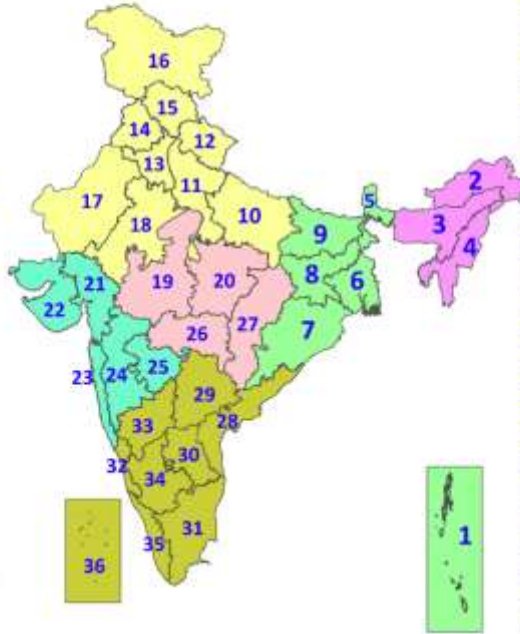


संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)